

| | | | |
|--|-------|--|-------|
| ριθ'. Περὶ Σαββατίου. | 1217. | ρημ'. Περὶ ἀπατηθείσης παρθένου καὶ μεταγνούσης. | 1241. |
| ριγ'. Περὶ Φιλοράμου. | 1217. | ρημ'. Περὶ συκοφαντησάσης ἀναγνώστην τινά. | 1241. |
| ριδ'. Περὶ Σευηριανοῦ. | 1218. | ρημ'. Περὶ Σαλβίας. | 1244. |
| ριε'. Περὶ τοῦ ἐλεύθερον μοναχοῦ. | 1219. | ρημ'. Περὶ Ιουθίνου. | 1244. |
| ριε'. Περὶ τοῦ ἀββᾶ Βησαρίωνος. | 1219. | ρημδ'. Περὶ Ολυμπιάδος. | 1244. |
| ριζ'. Περὶ Μελάνης. | 1220. | ρημε'. Περὶ Κανδίδας. | 1250. |
| ριη'. Περὶ Ρουφίνου. | 1226. | ρημε'. Περὶ Γελασίας. | 1250. |
| ριθ'. Περὶ Μελάνης τῆς νεωτέρας. | 1227. | ρημζ'. Περὶ Ιουλιανῆς. | 1250. |
| ρικ'. Περὶ Αλβίνας. | 1233. | ρημη'. Διήγησις Ἰππολύτου τοῦ γνωρίμου τῶν ἀποστόλων. | 1251. |
| ρικα'. Περὶ Πινιανοῦ. | 1233. | ρημθ'. Περὶ Μαγιστριανοῦ τινος. | 1251. |
| ρικβ'. Περὶ Παρμαχίου. | 1233. | ρην'. Περὶ Μαγνεντίου καὶ τῆς γυναικὸς τοῦ Συγκλητικοῦ. | 1252. |
| ρικγ'. Περὶ Μακαρίου. | 1233. | ρηνα'. Περὶ τοῦ συνόντος μοι ἀδελφοῦ. | 1257. |
| ρικδ'. Περὶ Κωνσταντίνου. | 1233. | — | — |
| ρικε'. Περὶ Παύλης. | 1233. | * Σχόλια εἰς τὴν Λαυσαῖκὴν ἱστορίαν· λατινιστί. | 1261. |
| ρικζ'. Περὶ Εὐστοχίας. | 1233. | — | — |
| ρικζ'. Περὶ Βενερίας. | 1233. | ΠΙΝΑΚΕΣ | |
| ρικη'. Περὶ Θεοδώρας. | 1233. | * Α'. Πίναξ ἀναλυτικὸς εἰς τὰ τῶν Μακαρίων Αἰγυπτίου καὶ Ἀλεξανδρέως· λατ. 1279. | |
| ρικθ'. Περὶ Ούσιας. | 1234. | * Β' Πίναξ ἀναλυτικὸς εἰς τὰς ὄμιλίας καὶ ἀσκητικά· λατινιστί. | 1283. |
| ριλ'. Περὶ Αδολίας. | 1234. | * Γ' Πίναξ εἰς τὴν Λαυσαῖκὴν ἱστορίαν· λατινιστί. | 1293. |
| ριλα'. Περὶ Βασιλιλλας. | 1234. | * Πίναξ τῶν περιεχομένων ἐν τῷ τριακοστῷ τετάρτῳ τόμῳ· λατινιστί. | 1303. |
| ριλβ'. Περὶ Φωτεινῆς. | 1234. | | |
| ριλγ'. Περὶ Ασέλλας. | 1234. | | |
| ριλδ'. Περὶ Αθίττας. | 1234. | | |
| ριλε'. Περὶ Μάγγα. | 1234. | | |
| ριλζ'. Περὶ τῆς παρθένου τῆς ὑποδεξαμένης τὸν ἄγιον Αθανάσιον. | 1235. | | |
| ριλζ'. Περὶ Αματαλίδος. | 1235. | | |
| ριλη'. Περὶ Ταὼρ παρθένου. | 1236. | | |
| ριλθ'. Περὶ παρθένου τινὸς, καὶ Κολλούθου. | 1236. | | |

Τέλος τῶν ἐν τῷ τριακοστῷ τετάρτῳ τόμῳ.

ΓΡΗΓΟΡΙΟΣ ΝΑΖΙΑΝΖΗΝΟΣ

(329 — 389. Μ. Χ.)

ΤΟΥ ΕΝ ΑΓΙΟΙΣ ΠΑΤΡΟΣ ΗΜΩΝ ΓΡΗΓΟΡΙΟΥ ΤΟΥ ΘΕΟΛΟΓΟΥ ΑΡΧΙΕΠΙΣΚΟΠΟΥ
ΚΩΝΣΤΑΝΤΙΝΟΥΠΟΛΕΩΣ ΤΑ ΕΥΡΙΣΚΟΜΕΝΑ ΠΑΝΤΑ (α)

ΤΟΜΟΣ 35

ΠΕΡΙΕΧΟΜΕΝΑ

| | | |
|--|----|---|
| * Προίμιον γενικόν· λατινιστί. | 9. | * Μέρος δεύτερον. Αγῶνες αὐτοῦ ὑπὲρ τῆς ὁρθοδοξίας, κατὰ τῶν αἱρέσεων· λατινιστί. |
| * Μέρος πρώτον. Περὶ τῶν συγγραμμάτων αὐτοῦ καὶ τῶν διεφόρων αὐτῶν ἐκδόσεων κτλ. λατινιστί. 9. | | 33. |
| (α) Εἰς τόμους τέσσαρας; (35—38). | | * Μέρος τρίτον. Διδασκαλία αὐτοῦ· λατινιστί. |

(ΚΛΕΙΣ ΠΑΤΡΟΛΟΓΙΑΣ κτλ.)

